राष्ट्रीय सहारा, वाराणसी, पृ०सं०-04
दिनांक: 11-03-19

फॉग विजन सिस्टम से कोहरे में भी कम नहीं होगी रेल की रफ्तार

■ सोहनलाल

वाराणसी। एसएनबी

डीजल रेल इंजन कारखाना ने बनाया कोहरे में भी तेज रफ्तार से चलने में मदद करने वाला 'फॉग विजन सिस्टम' (एफवीएस) जो कोहरे के चलते रेल की कम होने वाली रफ्तार को कम नहीं होने देगा, साथ ही लोको पायलट की हर हरकत की निगरानी करेगा। यह सिस्टम रेल इंजन में लग जाने पर दुर्घटना के कारणों को भी अपने कैमरे में कैद कर लेगा।

लोको ड्राइवर को अधिक से अधिक दूरी तक ट्रैक पोजिशन दिखे, जिससे कोहरा में कम दिखाई देने के कारण होने वाली दुर्घटना से बचा जा सकता है। डीजल रेल इंजन कारखाना को आरडीएसओ द्वारा 25 रेल इंजन में लगाने का टारगेट दिया गया था, जनवरी 2019 तक 24 लोको में यह सिस्टम लगाया जा चुका है।

डीरेका के मुख्य प्रचार निरीक्षक राजेश कुमार ने एक अनौपचारिक बातचीत में बताया कि मौसम साफ रहने की स्थिति में ट्रेन की स्पीड 130 किलो मीटर प्रति घंटा होने पर यह

बताएगा दुर्घटना का कारण, लोको पायलट की हर हरकत को कैमरे में करेगा कैद

सिस्टम लगे होने पर लोको पायलट एक किमी से अधिक दूरी तक देख सकता है। जब हल्की धुंध हो तो उस समय 130 किमी स्पीड में ट्रेन चलती है। उस स्थिति में सामान्य तौर पर 300 मीटर दूरी तक ही देख सकते हैं। उस स्थिति में एफवीएस कैमरे से 11 सौ मीटर तक देखा जा सकता है। जब हल्की धुंध होती है तब ट्रेन की गति 60 किमी प्रति घंटा स्पीड पर 100 मीटर तक साफ दिखता है, उस स्थिति में एफवीएस सिस्टम में लगे कैमरे से 550 मीटर तक साफ देख सकते हैं। बहुत अधिक कोहरा होने की स्थिति में जब सामान्य तौर पर 10 किमी प्रति घंटा की गति पर पांच मीटर तक ही साफ दिखाई देता है, उस स्थिति में इसमें लगे कैमरे से 40 मीटर तक पायलट देख सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इस सिस्टम की खासियत है कि लोको पायलट अगर आपस में बातचीत कर रहे होते हैं या किसी प्रकार की लापरवाही करते हैं तो भी कैमरे में कैद हो जायेगा। इस सिस्टम में लोको के अंदर और बाहर दो कैमरे लगे हैं जो रेलवे लाइन की पोजिशन को बताता रहता है। एफवीएस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि किसी दुर्घटना व हर पल की रिकार्डिंग को 30 दिनों तक सुरक्षित रखता है। जिससे किसी भी दुर्घटना के कारण को आसानी से जाना जा सकता है।

Scanned by CamScanner